Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ सावन सोमवार शिव पूजा विधि ॥

॥ ॐ नमः शिवाय ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ पूजा की तैयारी और सामग्री ॥

सावन सोमवार में शिवलिंग या शिवजी के चित्र के सामने घर पर सरल पूजा की जा सकती है। मंदिर जाएँ तो वहाँ की व्यवस्था और नियमों का पालन करें। पूजा का समय स्थानीय पंचांग तथा अपनी दिनचर्या के अनुसार तय करें।

सामान्य सामग्री

शिवलिंग या चित्र, स्वच्छ जल, बेलपत्र, फूल, अक्षत, चंदन, धूप, दीपक, बाती, फल और प्रसाद रखें। दूध से अभिषेक घर की परंपरा में हो तो बहुत कम मात्रा लें; जलाभिषेक अपने आप में पर्याप्त सरल पूजा है।

पूजा स्थल

चौकी और आसन साफ रखें। दीपक सुरक्षित जगह जलाएँ। शिवलिंग पर चढ़ाया जल फर्श पर फैलने से रोकें और बाद में पूजा स्थल साफ करें। किसी पेड़ से बेलपत्र तोड़ें तो आवश्यकता भर ही लें।

प्रार्थना का भाव

शिव और पार्वती का स्मरण करके मन में सत्य, संयम और सभी के मंगल का संकल्प लें। मंत्र न जानते हों तो अपनी भाषा में प्रार्थना कर सकते हैं। सामग्री की कमी के कारण पूजा अधूरी मानकर चिंतित न हों।

॥ शिव पूजन का सरल क्रम ॥

१. स्नान और संकल्प

सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें। गणेशजी का स्मरण करें। शिवजी के सामने बैठकर अपनी क्षमता के अनुसार व्रत और पूजा का संकल्प लें। दिन भर के उपवास का स्वरूप स्वास्थ्य के अनुसार तय करें।

२. जलाभिषेक

शिवलिंग पर धीरे-धीरे स्वच्छ जल अर्पित करें। घर की रीति हो तो दूध की थोड़ी मात्रा के बाद पुनः जल चढ़ाएँ। चित्र की पूजा में जल सीधे चित्र पर न डालें; जल का पात्र सामने रखकर प्रतीकात्मक अर्पण करें।

३. बेलपत्र और पुष्प

स्वच्छ बेलपत्र, फूल, अक्षत और चंदन अर्पित करें। “ॐ नमः शिवाय” का जप करें। धूप-दीप दिखाएँ और फल अथवा प्रसाद चढ़ाएँ। किसी विशेष पदार्थ को सभी परंपराओं में अनिवार्य न समझें।

४. कथा और आरती

सोमवार-व्रत कथा पढ़ें या सुनें। फिर शिव आरती तथा परिवार के मंगल की प्रार्थना करें। प्रसाद बाँटें। यदि शाम को पुनः पूजा की परंपरा है तो उसी अनुसार करें और बाद में व्रत खोलें।

॥ ॐ नमः शिवाय ॥